जादू तेरी नज़र में अदिति शर्मा की होगी एंट्री

स्टार प्लस के सुपरनैचुरल शो जादू तेरी नज़र- डायन का मौसम में अभिनेत्री अदिति शर्मा, की एंट्री हो रही है. अदिति इस शो में एक रहस्यमय और आकर्षक भूमिका निभाती नज़र आएंगी.

अपने किरदार पर बात करते हुए अदिति शर्मा ने कहा, मेरा किरदार उस वक्त एंट्री करता है, जब सब कुछ ठीक लग रहा होता है ,लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है. विहान से शादी सिर्फ एक ट्विस्ट नहीं है, ये तो तूफान की शुरुआत है. वो एक तरफ नरम और प्यारी है, तो दूसरी तरफ रहस्यों से घिरी हुई है. उसका हर कदम एक मकसद के साथ होता है, उसकी हर खामोशी एक तूफान छुपाए हुए है. दर्शक यही सोचते रहेंगे , वो मरहम है या तबाही? मुझे %जादू तेरी नज़र- डायन का मौसम% में इस पेचीदगी को पर्दे पर लाने में बहुत मज़ा आ रहा है. असली खेल तो अब शुरू हुआ है.

सोनू निगम ने उच्च न्यायालय का किया रुख

बॉलीवुड गायक सोनू निगम ने कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की है.

गायक पर शहर में हाल ही में आयोजित एक संगीत समारोह के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और कन्नड़ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है.

न्यायमूर्ति शिवशंकर अमरन्नावर की अवकाश पीठ ने मंगलवार को मामले की सुनवाई की और इसे 15 मई को आगे की सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया. कन्नड़ समर्थक संगठन कर्नाटक रक्षण वेदिके की ओर से दर्ज की गई शिकायत के आधार पर अवलाहल्ली थाने में शिकायत दर्ज की गई. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि निगम ने दर्शकों की ओर से कन्नड़ गाने की मांग को पहलगाम आतंकवादी हमले के बराबर बताया, जिससे कन्नड़ लोगों को असहिष्णु और हिंसक के रूप में चित्रित किया गया.गायक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(2) (आपराधिक धमकी), धारा 352(1) (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान), और धारा 353 (जनता में गुमराह करने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है.

गायक ने अपनी याचिका में दो मई और तीन मई को दर्ज की गई शिकायत को रद्द करने की मांग की है. उन्होंने मामले की आगे जांच पर रोक लगाने की अंतरिम राहत भी मांगी है. बाद में सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो बयान में उन्होंने सफाई दी कि उनके बयान को गलत समझा गया है.

44 वर्ष की हुईं सनी लियोनी

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी आज 44 वर्ष की हो गयी है.

13 मई 1981 को कनाडा के सार्निया ओंटारियो में जन्मीं सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है.एक सिख पंजाबी परिवार में जन्मे सनी के पिता तिब्बत में पैदा हुए और दिल्ली में पले-बढ़े. उनकी मां हिमाचल प्रदेश के एक छोटे से गांव सिरमौर के नाहन की रहने वाली थीं. वह बचपन से ही काफी फुर्तीले थी और लड़कों के साथ हॉकी खेलती थी.उसे आइस स्केटिंग करना बहुत पसंद था. परिवार ने सनी को कैथोलिक स्कूल में दाखिला दिलाया, ऐसा इसलिए था क्योंकि उन्हें लगा कि सनी के लिए पब्लिक स्कूल में जाना सुरक्षित नहीं है.

सनी ने महज 15 साल की उम्र में एक जर्मन बेकरी में अपनी पहली नौकरी कर ली थी. 19 साल की उम्र में सनी ने पोर्न इंडस्ट्री में कदम रखा और जल्द ही पोर्न इंडस्ट्री की क्वीन बन गईं. वर्ष 2011 में सनी ने अपने बॉयफ्रेंड और एक्टर डेनियल वेबर से शादी की. वर्ष 2011 में सनी कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाले मशहूर रियलिटी शो 'बिग बॉस' का हिस्सा बनीं. एक दिन शो में फिल्ममेकर महेश भट्ट भी पहुंचे, जहां उनकी नजर सनी पर पड़ी. इसके बाद उन्होंने सनी को अपनी फिल्म के लिए एक रोल ऑफर किया.

कार्तिक ने म्यूजिकल लव स्टोरी का शेड्यूल पूरा किया

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने फिल्मकार अनुराग बसु की अनटाइटल्ड इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी का लंबा शेड्यूल पूरा कर लिया है.

कार्तिक आर्यन ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो प्रशंसित फिल्म निर्माता अनुराग बसु द्वारा निर्देशित एक संगीतमय प्रेम कहानी है. अपने समर्पण और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाने वाले कार्तिक ने प्रशंसकों के साथ अपडेट साझा करने के लिए इंस्टाग्राम स्टोरीज का सहारा लिया, जिसमें उन्होंने कैप्शन के साथ एक बिहाइंड द सीन तस्वीर पोस्ट की कर कैप्शन में लिखा,एक लंबे शेड्यूल का आखिरी दिन .

हालांकि फिल्म की कहानी के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कार्तिक और अनुराग बसु के बीच यह सहयोग अभिनेता द्वारा पहले किए गए किसी भी काम से अलग है. मौजूदा शेड्यूल, जो कई हफ़्तों तक चला, जिस्में कई स्थानों पर गहन फिल्मांकन शामिल था. प्रशंसक पहले से ही फिल्म के शीर्षक, संगीत लाइनअप के बारे में अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसे निर्माताओं ने अभी तक गुप्त रखा है.

इस बड़ी उपलब्धि को हासिल करने के साथ ही, कार्तिक आर्यन प्रोडक्शन के अगले चरण के लिए तैयार हो गए हैं क्योंकि इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनने जा रही इस फिल्म को लेकर उत्सुकता बनी हुई है. इसके साथ ही उनके पास दो और बड़े प्रोजेक्ट तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी और नागजिला है.

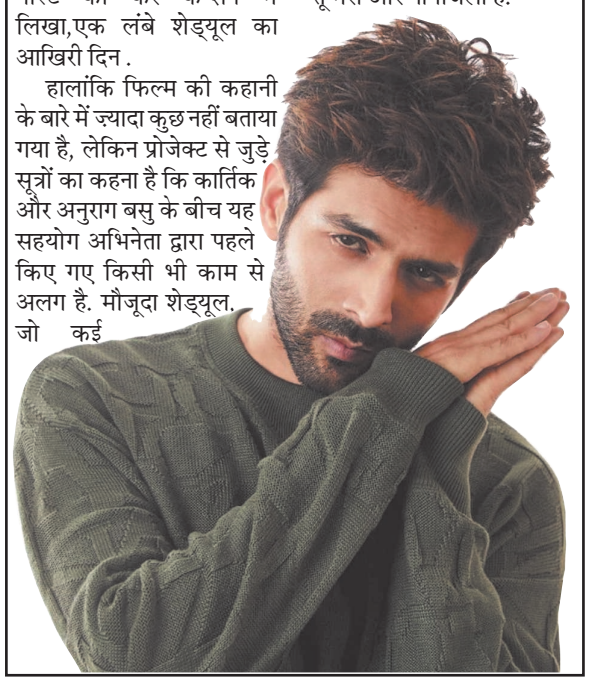

वाणी कपूर ने रेड 2 की सफलता पर खुशी और कृतज्ञता जतायी

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर ने फिल्म रेड 2 को दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और फिल्म की सफलता पर खुशी और कृतज्ञता जतायी है।

फिल्म 'रेड 2' ने भारतीय बाजार में 125 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है ।राज कुमार गुप्ता निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन, वाणी कपूर और रितेश देशमुख जैसे शानदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अजय देवगन के साथ मुख्य भूमिका निभा रहीं वाणी कपूर ने दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और फिल्म की सफलता पर खुशी और कृतज्ञता जताई है।

वाणी कपूर ने कहा, मैं दिल से आभारी हूं कि रेड 2 को ब्लॉकबस्टर के रूप में सराहा जा रहा है। इस तरह की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है. मेरे अभिनय को जो सराहना मिल रही है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं. एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा अलग-अलग शैलियों में काम करने और हर प्रोजेक्ट से सीखने की कोशिश करती हूं. दर्शकों से मिला यह प्यार और प्रतिक्रिया बेहद उत्साहवर्धक और संतोषजनक है. 'रेड 2' की पूरी टीम को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं. हमें देशभर से जो प्यार और समर्थन मिल रहा है, वह वाकई बहुत खास है.

एकता ने क्योंकि सास भी कभी बहू थी को लेकर दिया बड़ा हिंट

बॉलीवुड की जानीमानी फिल्मकार एकता आर कपूर ने अपने लोकप्रिय शो क्यूंकि सास भी कभी बहू थी को लेकर बड़ा हिंट दिया है. एकता कपूर ने अपने कंटेंट से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कई बार बदलाव किए हैं.

टीवी से लेकर फिल्मों और ओटीटी तक, वह हर प्लेटफॉर्म पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं और दर्शकों को हमेशा कुछ नया देने में आगे रही हैं. उन्होंने कई यादगार शोज दिए हैं, लेकिन उनका सबसे फेमस शो क्यूंकि सास भी कभी बहू थी आज भी भारतीय टेलीविजन का एक लीजेंडरी शो माना जाता है. दशकों बाद भी भारतीय दर्शक इस आइकॉनिक शो से गहरे जुड़े हुए हैं. हाल ही में, एकता कपूर ने इस शो की यादों को ताजा करते हुए एक हिंट दिया, जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए. एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो अलग-अलग मूड्स में दिख रही हैं.

फिल्म 'ससुराल गेंदा फूल' का फर्स्ट लुक रिलीज

एसआरके म्यूजिक प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनीं मनोरंजक और पारिवारिक फिल्म 'ससुराल गेंदा फूल' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है.

ससुराल गेंदा फूल में अभिनेत्री ऋचा दीक्षित नजर आएंगी, जो घोड़ी चढ़कर अपने ससुराल जाती हैं. पोस्टर में ऋचा की सजी-धजी दुल्हन के लुक ने फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है.

ऋचा दीक्षित ने फिल्म 'ससुराल गेंदा फूल' को लेकर अपनी खुशी और उत्साह साझा करते हुए कहा,यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास फिल्मों में से एक है. इसमें मेरा किरदार पारंपरिक सोच को तोड़ता है और एक नई मिसाल पेश करता है. जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी तय कर लिया था कि इस किरदार को जरूर निभाना है. एक दुल्हन का घोड़ी चढ़ कर ससुराल जाना समाज को एक सकारात्मक संदेश देता है कि अब लड़कियाँ भी आत्मनिर्भर, मजबूत और फैसले लेने वाली बन चुकी हैं.

ऋचा ने कहा, फिल्म पूरी तरह पारिवारिक, मनोरंजक और सामाजिक संदेश से भरपूर है. मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे उतना ही प्यार देंगे जितना हमने इसे बनाने में मेहनत की है. शूटिंग के दौरान पूरी टीम का साथ और माहौल बेहद अच्छा रहा. खास तौर पर निर्देशक संजय श्रीवास्तव जी और को-एक्टर्स ने हर सीन को जीवंत बनाने में अहम भूमिका निभाई.

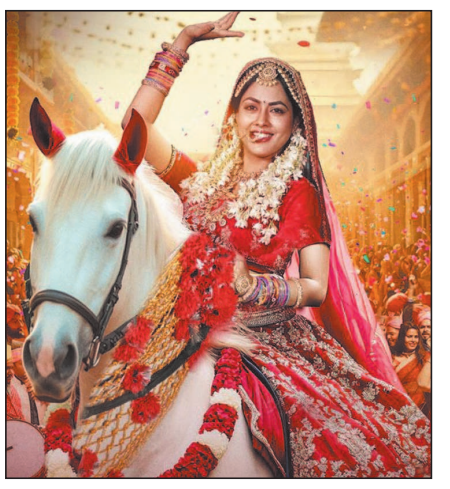

ससुराल गेंदा फूल में भोजपुरी सिनेमा के उभरते सितारे ऋषेश उपाध्याय और अनुभवी कलाकार समर्थ चतुर्वेदी, विनोद मिश्रा, श्रद्धा नवाल, जैसे नामचीन चेहरे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

कृषि जगत

खीरे के लिए घातक है चिपचिपा झुलसा रोग

खीरे की खेती से किसान बेहतर मुनाफा कमाते हैं, लेकिन कई बार खीरे की फसलों में रोग लगने का भी खतरा बढ़ जाता है. दरअसल, मई के महीने में खीरे के फल में चिपचिपा झुलसा रोग का प्रभाव देखा जाता है. इसकी पहचान और प्रबंधन करना किसानों के लिए बहुत जरूरी होता है. इस रोग के लगने से किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है. किसान इस रोग के लक्षण को जानकर समस्या से निजात पा सकते हैं.

कब लगता है चिपचिपा झुलसा रोग- तापमान में बढ़ोतरी होने पर खीरे में लगने वाले चिपचिपा झुलसा रोग के विकास के लिए अधिक तापमान सीमा 30 से 40 डिग्री के बीच होता है. हालांकि, संक्रमण 15-35 डिग्री के बीच भी हो सकता है. वहीं, अधिक तापमान रोग की गति को और तेज कर करता है. कुल मिलाकर मई के महीने में बढ़ रही गर्मी खीरे की फसल को नुकसान पहुंचा सकती है.

नमी से भी बढ़ता है ये रोग- खीरे में लगने वाले चिपचिपा झुलसा रोग उच्च नमी से भी काफी तेजी से बढ़ता है. नमी से इस रोग का फैलाव और संक्रमण दोनों बढ़ता है. अधिक बारिश, अधिक सिंचाई और पत्तियों पर पानी होने से ये रोग तेजी से फैलता है, जिससे उत्पादन और क्वालिटी में कमी आती है.

चिपचिपा रोग से बचाव के उपाय

चिपचिपा झुलसा रोग से बचाव के लिए किसान अपने खेतों में थायोफैनेट मिथाइल को 250-600 ग्राम प्रति एकड़ की दर से इस्तेमाल कर सकते हैं . इसके अलावा कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 2 ग्राम प्रति लीटर का घोल बनाकर फसलों पर छिड़काव करें . साथ ही किसान खीरे की फसल को बचाने के लिए मैन्कोजेब 500 ग्राम प्रति एकड़ दर से घोल बनाकर छिड़काव कर सकते हैं . ऐसा करने से खीरे को इस रोग से बचाया जा सकता है .

फल झड़ने की समस्या का निवारण और प्रबंधन

आम, जिसे फलों का राजा कहा जाता है, भारत में एक महत्वपूर्ण फल फसल है. हालांकि, आम उत्पादकों को अक्सर एक आम समस्या का सामना करना पड़ता है - फल झड़ना. यह समस्या फसल की पैदावार और गुणवत्ता को काफी हद तक प्रभावित कर सकती है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान होता है. फल झड़ने की समस्या प्रारंभिक अवस्था से लेकर परिपक्वता तक कभी भी हो सकती है, लेकिन प्रारंभिक और अपरिपक्व फल झड़ना विशेष रूप से चिंताजनक होता है.

फल झड़ने के मुख्य कारण

हार्मोनल असंतुलन और एब्सिशन लेयर का गठन- फल के आधार पर भूरे रंग की एक परत का दिखना, जिसे एब्सिशन लेयर कहा जाता है, फल झड़ने का एक प्रमुख कारण है. यह परत फल के डंठल और फल के आधार के जंक्शन पर बनती है. ऑक्सिन और एथिलीन जैसे पादप हार्मोन का संतुलन फल को पेड़ पर टिकाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. ऑक्सिन, जो वृद्धि को बढ़ावा देने वाला हार्मोन है, फल से डंठल की ओर प्रवाहित होता है और एब्सिशन लेयर के गठन को रोकता है.

जब पेड़ पर लग जाएं अधिक फल- प्रधान वैज्ञानिक एचएस सिंह कहते हैं, आम के पेड़ में सीमित मात्रा में पोषक तत्व, पानी और हार्मोनल संसाधन होते हैं. जब पेड़ पर अत्यधिक संख्या में फल लग जाते हैं, तो वह स्वाभाविक रूप से कुछ फलों को गिरा देता है ताकि शेष फलों को पर्याप्त पोषण मिल सके और वे अच्छी तरह से विकसित हो सकें. यह शारीरिक स्व-नियमन की एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से पेड़ कमजोर या अतिरिक्त फलों को नियंत्रित तरीके से अलग करता है. एब्सिशन लेयर का गठन इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

पर्यावरणीय और तनाव कारक- विभिन्न पर्यावरणीय कारक और तनाव की स्थितियां फल झड़ने को बढ़ावा दे सकती हैं.

सूखा- अनियमित या अपर्याप्त सिंचाई, विशेष रूप से फल विकास के दौरान, पेड़ को तनाव में डाल सकती है और फल झड़ने का कारण बन सकती है.

तापमान में उतार-चढ़ाव- अत्यधिक गर्मी या ठंड, खासकर फूल आने और फल लगने के समय, हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है और फल झड़ने को प्रेरित कर सकता है.

गायों को लंपी से बचाएंगे ये उपाय

लंपी गायों की जानलेवा बीमारी है. अभी लंपी के इलाज के नाम पर सिर्फ एक वैक्सीन है. लेकिन, एनिमल एक्सपर्ट की मानें तो वैक्सीन लगवाने के अलावा अगर गायों के बाड़े में कुछ जरूरी उपाय अपना लिए जाएं तो गाय लंपी की चपेट में आने से बच जाएंगी.

हालांकि आज देश का कोई ऐसा राज्य नहीं है जहां लंपी ने अपना असर ना दिखाया हो. एक्सपर्ट का ये भी कहना है कि वैसे तो लंपी के फैलने का कोई तय वक्त नहीं है, लेकिन बारिश के दौरान या फिर पशुओं के शेड में गंदगी ज्यादा होने पर ये बीमारी जल्दी अपना असर दिखाती है.

लंपी बीमारी का वायरस मच्छर और मक्खी की मदद से दूसरी गायों में तेजी से फैलता है. लेकिन एक्सपर्ट के लंपी से जुड़े टिप्स अपनाकर लंपी बीमारी को कंट्रोल किया जा सकता है. हालांकि क्लाइमेट चेंज को देखते हुए बॉयो सिक्योरिटी को आज पशु शेड की बड़ी जरूरत माना जा रहा है.

गायों को लंपी से बचाएंगे ये उपाय

- लंपी बीमारी से पीड़ित पशुओं को हेल्दी पशुओं से अलग कर देना चाहिए .
- बीमार पशुओं को हेल्दी पशुओं के संपर्क में नहीं आने देना चाहिए .
- बाड़े में मच्छर-मक्खियों को रोकने के लिए साइपिमैथिन, डेल्टामैविन, अवमिताज दवा का इस्तेमाल करें .
- दो मिली प्रति एक लीटर पानी में दवा मिलाकर शेड में छिड़काव करना चाहिए .
- बीमारी वाले क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पशुओं का आवागमन बंद कर देना चाहिए .
- बीमारी फैलने की अवस्था में पशुओं को पशु मेले में नहीं ले जाना चाहिए .
- पशुओं के प्रबंध में लगे वाहन और उपकरण की साफ-सफाई करनी चाहिए .
- संक्रमित पशुओं की देखभाल में लगे व्यक्तियों को सैनेटाइजेशन करना चाहिए .
- पशुओं के बाड़े में बाहरी व्यक्ति और वाहन के प्रवेश पर रोक लगा देनी चाहिए . बाड़े में हर रोज चूना पाउडर का छिड़काव करना चाहिए .

गेहूं और मक्का को भारी नुकसान पहुंचाता है ये लाल कीट

आपने गेहूं या सरसों में लाल रंग के कीटों को देखा होगा. इसे आम बोलचाल में लाल कीट कहते हैं और इसका पूरा नाम लाल आटा बीटल है. अंग्रेजी में इसे ट्रिबोलियम कैस्टेनम कहा जाता है. यह कीट गेहूं और मक्के के भंडारण में भारी नुकसान पहुंचाता है. यह कीट गेहूं और मक्के को अंदर से पूरी तरह से चट कर जाता है और बाहर केवल छिलका बचता है. यह कीट केवल भारत की समस्या नहीं है बल्कि सभी गर्म देशों में इसका प्रकोप देखा जाता है. यह कीट विश्व के गर्म भागों में खाद्य भंडारों में पाया जाने वाला एक गंभीर कीट है.

लाल आटा बीटल कीट मक्का, गेहूं और

अन्य भंडारित अनाजों को नुकसान पहुंचाता है. इस कीट के संक्रमण से भंडारित अनाज के दानों में छेद, टूटे हुए दाने और इनका डैमेज होना स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. अनाजों में यह नुकसान लार्वा और वयस्क कीट, दोनों द्वारा किया जाता है. अंडे से वयस्क तक का जीवन काल 30 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 35 दिनों तक होता है. वयस्क दोपहर के समय के बाद बड़ी संख्या में उड़ते हैं.

कीटों से कैसे करें बचाव

- खाली गोदाम स्थान में एल्युमिनियम फॉस्फाइड गोलियों का उपयोग करें .
- पुराने बोरों को 0 .0125 प्रतिशत साइपरेंथ्रिन 25 ई.सी. या फेनवेलरेट 20 ई.सी. से कीटाणुरहित करें .
- खाली गोदामों को 0 .05 प्रतिशत मैलाथियान का छिड़काव करके कीटाणुरहित करें .
- दालों को तोड़कर भंडारित कर लें, ताकि दालों को भृंग के प्रकोप से बचाया जा सके . ये कीट दालों पर आक्रमण करना पसंद करते हैं, न कि विभाजित दालों पर .
- कीटों से बचाव के लिए खाद्यान्नों को वायुरोधी सीलबंद ढांचे में भंडारित करें .